माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: केन्द्र ...

केन्द्र क्रमांक की सील: हाई स्कूल परीक्षा

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 3 0 0 परीक्षा का विषय सामाजिक विज्ञान

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 7-3-2009

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
T-1035-	C

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	9	2	1	2	7	3	5	8

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

एक	नौ	दो	एक	दो	सात	तीन	पाँच	आठ

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में — अंकों में —

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 6 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ——

नाम M. L. Alawa पद L.D.T.

पता / संस्था ...

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	1
9	5
10	6
कुल प्राप्तांक	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की यथास्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं

हस्ताक्षर (परीक्षक) ——

परीक्षक क्रमांक 2/6039

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक.........

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक.........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को 'क्रास' किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

उत्तर क्रमांक - 1 →

अ		ब
(अ) बंकिम चन्द्र चटर्जी	-	आनंद मठ
(ब) असम - जोरहट	-	एक सींग वाला गेंडा
संघ सूची	-	केन्द्र सरकार
(द) लोकसभा का सदस्य	-	भारत का नागरिक
(इ) परिवहन एवं संचार	-	तृतीयक क्षेत्र

उत्तर क्रमांक - 2 →

(अ) एक टन ।

(ब) चरण - पादुका हत्याकाण्ड ।

(स) राज्यपाल ।

(द) विनिमय ।

(इ) पूँजीवादी ।

उत्तर क्रमांक - 3 →

(अ) (ii) मछली उत्पादन से ।

(ब) (ii) अरावली पर्वत ।

(स) (i) झाबुआ जिले में ।

(द) (ii) महात्मा गाँधी ने ।

(इ) (i) प्राथमिक क्षेत्र में ।

BSEMP

उत्तर क्रमांक - 4 →

(अ) राजस्थान ।

(ब) बहुराष्ट्रीय कम्पनी ।

(स) लार्ड माउन्टबेटन ।

(द) 230

(इ) 40

उत्तर क्रमांक - 5 →

(अ) असत्य ।

(ब) सत्य ।

(स) असत्य ।

(द) सत्य ।

(इ) सत्य ।

उत्तर क्रमांक - 6 →

लोहा इस्पात उद्योग आज के उद्योग जगत में भौतिक सभ्यता की रीढ़ है। मानव उपयोग में आने वाली छोटी से छोटी वस्तुएँ जैसे - सुई, कील, पिन आदि से लेकर बड़ी से बड़ी वस्तुएँ जैसे - मोटर, रेल, मशीनें आदि का निर्माण लोहा इस्पात के बिना संभव नहीं है। अत: यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण उद्योग है जो देश के आर्थिक विकास एवं अर्थव्यवस्था को आधार प्रदान करता है। यही कारण है कि लोहा इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग भी कहा जाता है।

उत्तर क्रमांक - 7 →

दूरदर्शन संचार का सबसे उपयुक्त माध्यम है। यह कथन शत प्रतिशत सत्य है। प्राचीन समय में महाभारत युद्ध के दौरान संजय जोकि राजमहल में बैठे थे, उन्होंने वहीं से कुरुक्षेत्र के मैदान का हालचाल धृतराष्ट्र जो अन्धे थे, को सुनाया था क्योंकि उन्हें दिव्य दृष्टि प्राप्त थी।

आज के युग में दूरदर्शन भी दिव्य दृष्टि की तरह है। देश-विदेश में होने वाली अनेक घटनाओं को हम घर बैठे ही दूरदर्शन के माध्यम से देख व सुन सकते हैं। दूरदर्शन के माध्यम से ही खबरें जनसाधारण तक पहुँच पाती हैं। संचार का अर्थ होता है किसी बात या खबर का फैलना। अतः कहा जा सकता है कि दूरदर्शन संचार का सबसे उपयुक्त माध्यम है।

उत्तर क्रमांक - 9 →

सन् 1857 की क्रांति को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा जाता है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की असफलता के ~~कोई~~ चार प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं -

1. समय से पूर्व प्रारंभ होना → सन् 1857 की क्रांति निर्धारित समय से पूर्व ही प्रारंभ हो गई थी जिससे यह असफल रही। यदि यह एक निश्चित समय में एवं ठोस कार्यक्रम के साथ प्रारंभ की जाती तो इसकी सफलता की सम्भावना अधिक रहती।

2. नेतृत्व का अभाव → प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की असफलता का प्रमुख कारण था - नेतृत्व का अभाव। इस संग्राम में कुशल

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

नेतृत्वकर्ता न होने की वजह से यह अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सका।

3. परंपरावादी हथियार → प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में जहाँ ब्रिटिश सेना आधुनिक हथियारों गोला-बारूद आदि के साथ लड़ रही थी वहीं भारतीय अपने परंपरावादी हथियार बरछी, तीर-कमान, तलवार, भाले आदि लेकर ही युद्ध में कूद पड़े थे। इस प्रकार परंपरावादी हथियार भी इस संग्राम की असफलता के कारण बने।

4. सामन्तवादी स्वरूप → इस संग्राम में सामन्तवादी स्वरूप रहा। जहाँ एक ओर अवध, बुन्देलखण्ड, बिहार आदि के शासकों ने इस क्रांति का विरोध किया वहीं दूसरी ओर जींद, ग्वालियर, पटियाला, हैदराबाद आदि के शासकों ने ब्रिटिश शासन को सहायता प्रदान की। इस तरह सामन्तवादी स्वरूप भी प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की असफलता का कारण बना।

उत्तर क्रमांक - 10 →

भारत और चीन के मध्य सन् 1962 में युद्ध हुआ। इस युद्ध के निम्नलिखित परिणाम हुए —

1. भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण हो गये।
2. भारत का एक बड़ा भू-भाग चीन के कब्जे में चला गया।
3. भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि एवं गुटनिरपेक्ष नीति आहत हुई।
4. भारतीय विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर व्यावहारिकता एवं यथार्थवाद को स्थान मिला।
5. भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार हुआ।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर क्रमांक - 11 →

राष्ट्रपति की संकटकालीन शक्तियाँ निम्नलिखित हैं -

1. देश पर बाह्य आक्रमण, देश में होने वाले आंतरिक सशस्त्र विद्रोह, राज्यों की संवैधानिक व्यवस्था के विफल होने या वित्तीय संकट की स्थिति में राष्ट्रपति आपातकालीन अधिकार घोषित करता है।
2. राज्यपाल के प्रतिवेदन से या अन्य किसी तरीके से यदि राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाता है कि किसी राज्य का शासन संविधान के नियमों के अनुसार नहीं चल रहा है तब राष्ट्रपति वहाँ राष्ट्रपति शासन लागू करता है।
3. यदि राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाता है कि देश में गंभीर आर्थिक खतरा उत्पन्न होने वाला है तो वह संकटकालीन अधिकारों की घोषणा करता है।
4. यदि देश पर बाहरी आक्रमण की आशंका हो तब राष्ट्रपति अपनी संकटकालीन शक्तियाँ घोषित करता है।

उत्तर क्रमांक - 12 →

स्व सहायता समूह - स्व सहायता समूह गरीब व्यक्तियों का एक स्वैच्छिक संगठन है जो आपसी सहयोग के द्वारा चलाया जाता है। इसमें बचत करने की आदत को प्रोत्साहित किया जाता है। इसमें संगठन के सदस्यों को कम ब्याज दर पर ऋण भी उपलब्ध कराया जाता है। स्व सहायता समूह समूह के गठन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

1. संगठन के सदस्यों में बचत की आदत को प्रोत्साहित करना।
2. सदस्यों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना।

P.T.O.

BSEMP

8   योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 8 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

४. सदस्यों में स्वावलम्बन की भावना का विकास करना।
५. शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के प्रति लोगों के रवैये में परिवर्तन करना।
६. बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करना।

उत्तर क्रमांक -15 →

1857 के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं–

1. राजनीतिक कारण → अंग्रेजों की राज्य विस्तार नीति के कारण भारतीय शासकों में असंतोष व्याप्त था। लार्ड डलहौजी की हड़प नीति के कारण अनेक राज्यों को ब्रिटिश राज्य में मिला लिया गया था। कई राजाओं की उपाधियाँ छीन ली गई थीं। ये सब कारण 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के राजनीतिक कारण थे।

2. आर्थिक कारण → ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियाँ शोषणपूर्ण थी। करों को बढ़ा दिया गया था। मनमाना कर वसूल किया जाता था। आर्थिक नीतियों के कारण शिल्पकार, दस्तकार, किसानों आदि का शोषण किया जाता था। ये कारण संग्राम के आर्थिक कारण थे।

3. सामाजिक कारण → ब्रिटिश शासन ने भारतीयों की दृष्टि में अपनी अच्छी छवि बनाने के लिये समाज के अंदर व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया किन्तु इसके उल्टे ही परिणाम सामने आए। भारतीयों ने ब्रिटिश क्रियाकलापों को अपने सामाजिक जीवन में हस्तक्षेप समझा। इसके अलावा ब्रिटिश शासन द्वारा ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार किया जाना, लोगों को धर्म परिवर्तन हेतु प्रलोभन देना, सती प्रथा पर रोक लगाना, विधवा विवाह के लिये मान्यता प्रदान करने वाले कानून बनाना, शिक्षण संस्थाओं में ईसाई धर्म की शिक्षा दी जाना आदि अनेक कारण

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

थे जिनसे भारतीयों में असंतोष था।

4. सैनिक कारण → भारतीय सैनिकों को उच्च पदों पर नियुक्त नहीं किया जाता था। चर्बी लगे कारतूस मुँह से खोलने हेतु दिये जाते थे। सैनिकों को समुद्र पार भेजा जाता था जबकि भारतीयों में समुद्र पार जाना धर्म भ्रष्ट समझा जाता था। इन सब कारणों से सैनिकों ने विद्रोह कर दिया।

5. तात्कालिक कारण → 29 मार्च 1857 को बैरकपुर की छावनी में एक सैनिक मंगल पाण्डे ने चर्बी लगे कारतूस मुँह से खोलने से इंकार कर दिया और उत्तेजित होकर ब्रिटिश अधिकारियों की हत्या कर दी। फलस्वरूप उसे बंदी बनाकर 8 अप्रैल 1857 को फांसी दे दी गई। यह घटना 1857 के संग्राम का तात्कालिक कारण बनी।

उत्तर क्रमांक - 15 →

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंग्रेजों को चकमा देकर देश से बाहर चले गये। जापान में बंदी बनाए गए सैनिकों को संगठित कर उन्होंने सन 1943 में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की। आजाद हिन्द फौज का उद्देश्य भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराना था। इसके लिये आजाद हिन्द फौज ने भरपूर प्रयास किया। नेताजी ने लोगों को संबोधित किया। सुभाष चन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज ने 1944 में रामू, पलेम, कोहिमा, तिद्दिम आदि को अंग्रेजों से मुक्त कराया। इसके बाद फौज ने फिर से कुछ क्षेत्रों को अंग्रेजों से मुक्त कराने के लिये आक्रमण किया किन्तु

MPSE

योग पृ॰ पृ॰ पुल अंक

वर्षा के कारण और रसद की कमी के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। इसके बाद इसी सन 1944 में आजाद हिन्द फौज के सैनिक निराशावादी विचारों से भर गए। सुभाष चन्द्र बोस ने उनमें उत्साह का संचार किया और संबोधित किया। कुछ समय बाद नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जापान जाते समय विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। हालांकि आजाद हिन्द फौज अपने उद्देश्य में पूर्णतः सफल नहीं हो सकी किन्तु उसने अनेक स्थानों को अंग्रेजों से मुक्त कराया तथा ब्रिटिश शासन की नींव हिलाकर रख दी। इस प्रकार भारत की स्वतंत्रता में आजाद हिन्द फौज का विशिष्ट योगदान रहा।

BSEMP

उत्तर क्रमांक - 16 →

भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

1. लिखित एवं विशाल संविधान → भारत का संविधान लिखित एवं विशाल है। भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान है। भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद हैं तथा 12 अनुसूचियाँ हैं जो 22 भागों में विभक्त हैं।

2. सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न → भारतीय संविधान के अनुसार भारत संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न है अर्थात भारत स्वतंत्र देश है उस पर किसी भी बाह्य शक्ति का अधिकार नहीं है।

3. समाजवादी एवं पंथ निरपेक्षता → भारत के संविधान में वर्णित है कि भारत में समाजवादी गुण है। तथा भारत पंथ निरपेक्ष राष्ट्र है। इसकी दृष्टि में सभी धर्म समान हैं। तथा यह सर्वधर्म सम्मान की प्रेरणा देता है।

पृ॰ बाकी का योग

4. संघात्मक शासन व्यवस्था → भारत में संघात्मक शासन व्यवस्था है। अर्थात शक्तियाँ केन्द्र व राज्य सरकार के मध्य विभाजित हैं। इसमें तीन सूचियाँ होती हैं- संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची। संघ सूची केन्द्र सरकार के लिये, राज्य सूची राज्य सरकार के लिये एवं समवर्ती सूची दोनों के लिये होती है।

5. मौलिक अधिकार व कर्तव्य → संविधान में नागरिकों के लिये मौलिक अधिकारों का वर्णन है जिनकी संख्या 6 है। इसके अलावा सन 1976 में 42 वें संशोधन में मूल कर्तव्य प्रावधान भी जोड़ा गया है जिसके तहत नागरिकों को 10 कर्तव्य निश्चित किये गये हैं।

BSEMP

उत्तर क्रमांक- 17 →

भारत में बेरोजगारी दूर करने के उपाय निम्नलिखित हैं-

1. जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण → बेरोजगारी दूर करने के लिये जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रण रखना होगा। अगर जनसंख्या कम होगी तो लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और बेरोजगारी दूर होगी।

2. लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास → बेरोजगारी दूर करने के लिये लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास करना होगा। ये उद्योग घर के सदस्यों के सहयोग द्वारा चलाये जा सकते हैं तथा इसे चलाकर लोग बेरोजगारी से बच सकते हैं।

3. विनिमय में वृद्धि → विनिमय का अर्थ होता है किसी व्यवसाय में आय प्राप्त करने के उद्देश्य से धन लगाना। अर्थात बेरोजगारी से बचने के लिये लोगों को विनिमय में वृद्धि करनी चाहिये।

पृ. के अंकों का योग

4. प्रशिक्षण सुविधाएँ → लोगों को काम में कुशल बनाने हेतु प्रशिक्षण केन्द्र खोले गए हैं। इनमें प्रशिक्षण लेकर लोग काम कर सकते हैं तथा रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

5. सहायक उद्योगों का विकास → लोगों को रोजगार हेतु कृषि के सहायक उद्योगों जैसे - दुग्ध व्यवसाय, मुर्गी पालन, मछली पालन, बागवानी आदि का विकास करना चाहिये तथा देश में बेरोजगारी को कम कर सकते हैं।

उत्तर क्रमांक - 18 →

वर्तमान समय में शोषण से बचने के लिये उपभोक्ता के जागरूक होने की अत्यधिक आवश्यकता है। उपभोक्ता यदि जागरूक है तो दुकानदार उसे ठग नहीं सकते। आजकल टेली मार्केटिंग, आकर्षक एवं भ्रामक विज्ञापन आदि से लोग प्रभावित होकर वस्तुएँ खरीदते हैं तथा उनका शोषण हो जाता है। अतः उपभोक्ताओं को चाहिये कि वे वस्तुएँ खरीदने से पहले उनके बारे में समझ लें, सोच लें। यदि ऐसा नहीं होता है तो उपभोक्ता शोषण हो जाता है। इसके लिये उपभोक्ता का पढ़ा लिखा होना जरूरी है। सरकार द्वारा विभिन्न वस्तुओं के मानकीकरण चिन्ह दिये गए हैं जैसे - आई. एस. आई., एग मार्क, वूल मार्क, हॉलमार्क आदि। इन सभी का मनुष्य को उपयोग करना चाहिये। यदि उपभोक्ता जागरूक न हो तो उसका शोषण कर लिया जाता है। अतः उपभोक्ता जागरूकता की अत्यंत आवश्यकता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

यो +] = [कु

उत्तर - 19 →

मिश्रित अर्थव्यवस्था → मिश्रित अर्थव्यवस्था एक ऐसी प्रणाली है जिसमें सरकार एवं निजी क्षेत्र दोनों साथ-साथ कार्य करते हैं।

इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

(i) सरकारी एवं निजी क्षेत्रों का साथ-साथ कार्य करना।

(ii) इसमें आर्थिक नियोजन को महत्व दिया जाता है।

(iii) इसमें लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है।

(iv) इसमें आर्थिक समानता को महत्व दिया जाता है।

(v) इससे देश को लाभांश की प्राप्ति होती है।

B S E M P

उत्तर - 20 →

मानव जीवन का आधार जल है। पृथ्वी पर जीवन का आधार जल ही है। किन्तु आज जल को व्यर्थ में बहाया जा रहा है। जिससे देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में जल संकट पैदा हो गया है। मानव शरीर में 70% जल होता है। हमारे दैनिक जीवन के कार्यों को सुचारु रूप देने के लिये जल का संरक्षण अति आवश्यक है।

जल संरक्षण के प्रमुख उपाय निम्नलिखित हैं -

1. वर्षा जल का संग्रहण करना।
2. जल संभरों का वैज्ञानिक प्रबंध करना।
3. प्राकृतिक स्रोतों को प्रदूषण से बचाना।
4. जल के अपव्यय को रोकना।
5. जल के सदुपयोग हेतु जनता को प्रेरित करना।

इन सब का उपाय करने पर ही जल को संरक्षित किया जा सकता है क्योंकि जीवन की अमूल्य निधि जल ही है।

अंकों का योग

उत्तर क्रमांक - 2।

कश्मीर समस्या

स्वतंत्रता के पश्चात दो नये राष्ट्रों का उदय हुआ भारत और पाकिस्तान। इन राष्ट्रों के उदय के पश्चात देशी रियासतों को यह स्वतंत्रता दी गई कि वे भारत या पाक में विलय हो सकती हैं या फिर स्वतंत्र रह सकती हैं। अधिकांश रियासतें भारत या पाकिस्तान में विलय हो गई। कश्मीर के राजा हरीसिंह ने अपनी रियासत को स्वतंत्र रखने का निर्णय लिया।

22 अक्टूबर 1947 को कबायलियों ने उत्तर पश्चिम सीमा प्रांत से पाकिस्तानी सैनिकों की सहायता से कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। राजा हरीसिंह ने भारत से मदद माँगी तथा भारत ने भी उसे मदद दी। संयुक्त राष्ट्र संघ के हस्तक्षेप से युद्ध विराम हुआ। युद्ध विराम के समय पाक अधिकृत क्षेत्र रह गया जिसे आजाद कश्मीर का नाम दिया गया।

प्रधानमंत्री ने तब आश्वासन दिया कि युद्ध समाप्त होने के बाद कश्मीर की जनता जनमत संग्रह पर यह तय करेगी कि वह किसके साथ मिलना चाहती है। तब कश्मीर की जनता ने भारत में विलय का निश्चय किया। 1954 को कश्मीर की विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित कर कश्मीर का विलय भारत में कर लिया गया। 1954 में संविधान के अनुच्छेद 370 के अंतर्गत कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया। 26 जनवरी 1957 को कश्मीर का संविधान घोषित किया गया। इस प्रकार कश्मीर

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

रौल नम्बर → 1921271358 (उत्तर क्रमांक - 13)

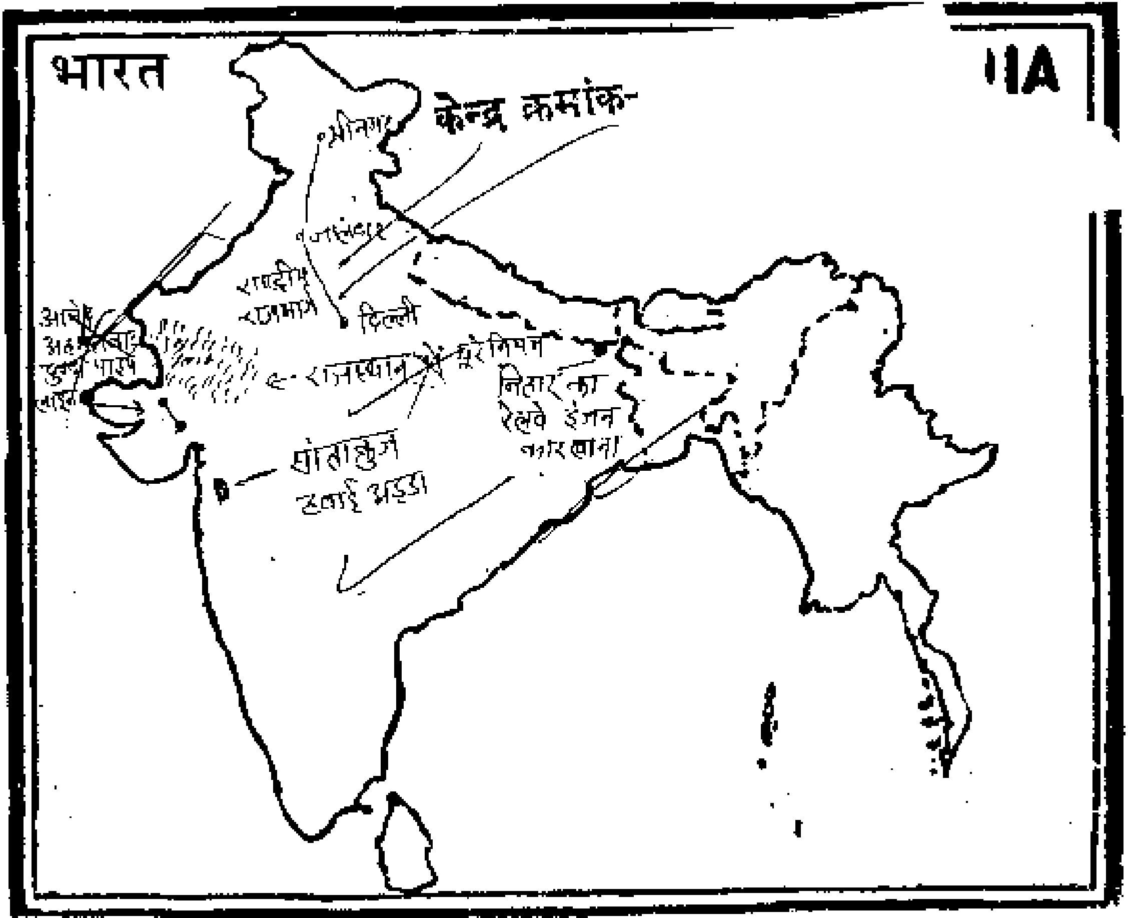

भारत का अभिन्न अंग बन गया।

पाकिस्तान में जितनी भी सरकारें आईं वे कश्मीर समस्या के प्रश्न को जीवित रखने का प्रयास करती हैं जबकि भारत के लिये यह प्रश्न उसकी अखण्डता एवं सम्मान का प्रश्न है।

उत्तर क्रमांक - 8 → मानव जीवन में अनेक आपदाएँ आती रहती हैं। कुछ प्राकृतिक होती हैं तो कुछ मानवकृत। इन सभी आपदाओं से निपटने के लिये तैयारी करना आपदा प्रबंधन कहलाता है। आपदा प्रबंधन के लिये निम्नलिखित बातें अपनाई जाती हैं—

1. आपदा से पूर्व निपटने की तैयारी कर ली जाती है।
2. लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाता है।
3. पीड़ित लोगों को वित्तीय मदद दी जाती है।
4. आपदा प्रबंधन की पूरी तैयारी की जाती है।
5. आपदा प्रबंधन की योजनाओं को ईमानदारी से लागू किया जाता है।

इस प्रकार आपदा प्रबंधन के लिये सरकार द्वारा अथक प्रयास किये जाते हैं।

उत्तर क्रमांक - 13 → (मानचित्र संलग्न है।)

B S F

पृष्ठ के अंक / योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 16 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

17

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

(18)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

(19)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग